



KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA
[Established by the State Legislature Act XII of 1956]
(‘A⁺’ Grade, NAAC Accredited)

AQAR-2020-21

3.4.6: Documents for books and chapters in edited volumes published per teacher during the Session 2020-21:

Name of Department: **Hindi**

Name of Teacher(s) : **Prof. Pushpa Rani**

Sr. No 3.4.6.

प्रो. उमापति दीक्षित डी.लिट्.

विभागाध्यक्ष

नवीकरण एवं माया प्रसार विभाग

Prof. Umapati Dikshit D.Litt.

Head of the Department

Deptt. Of Orientation & Language Extension



केंद्रीय हिंदी संस्थान
CENTRAL INSTITUTE OF HINDI

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

Ministry of Education, Govt. of India

हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा - 282005 (भारत)

Hindi Sansthan Marg, Agra - 282005 (India)

दिनांक : 18.01.2021

प्रमाण-पत्र

एतदद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि प्रो. पुष्पा रानी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र का आलेख “मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना विमर्श” ‘आवक’ पत्रिका प्रकाशनार्थ स्वीकृत कर लिया गया है।

उमापति

(उमापति दीक्षित

संपादक

‘आवक’ ऐमासिक पत्रिका



संघीय हिंदी संस्थान, आगरा

(संघीय मंत्रालय, भारत सरकार)
हिंदी संस्थान आवा, आगरा-282 005

३६६

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)
Hindi Sansthan Marg, Agra-282 005

संघीय केंद्र : दिल्ली, विश्वनाथपुर, पुलासी, शिल्पी, मसूर, पुन्नेश्वर, दीपापुर, अहमदाबाद

Regional Centres : Delhi, Hyderabad, Gourahati, Shillong, Mymore, Bhujubeswar, Dibrugarh, Ahmedabad

पात्र १२-१३ नवी २०२१-२२
संग्रह में

दिनांक ०५/०५/२०२१

प्रोफ़ेशनल

हिंदी एवं भाषा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,

कुरुक्षेत्र सी.:- ९८९६७०६४८९

विषय : हिंदी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु निवेदन।

महोदय / महोदया,

कोशीय हिंदी संस्थान द्वारा 'हिंदी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिंदी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यवित्तत्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाना है। इस शृंखला में सर्वप्रथम निम्नलिखित दस साहित्यकारों पर पुस्तक निर्माण किया जाएगा—

१. गोरखनाथ, २. विद्यापति, ३. तुलसीदास, ४. सूरदास, ५. कवीर दास, ६. जयशंकर प्रसाद, ७. प्रमचंद, ८. मैथिलीशरण गुप्त, ९. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', १०. रामचंद्र शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है—

१. पुस्तक का शीर्षक : गोदान-प्रेमचंद

२. आलेख का विषय/शीर्षक : गोदान ग्रन्थीण जीवन के अंधकार चक्र का सहाय

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण संलग्न है। कृपया इनका अवलोकन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु. दो हजार नाम्र) प्रति आलेख मानदेय स्वरूप ग्रदान किया जाएगा।

'हिंदी सौ रत्न माला' हिंदी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर केंद्रित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिंदी साहित्य के गौरव को बढ़ाने में प्रस्ताव विद्युत सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपस्थिति ने हिंदी को विस्तृत कल्पना पर पहचान दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह एवं निदेशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

सधान्यदाद।

संलग्न यथोक्ति

भवदीय

८मार्च २०२०

(प्रो. उमापति दीक्षित)

संयोजक / संपादक

संचल भाषा :— 7355116538

8765002624



केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

(विभागीय संचालन, आगरा 282005)

पर्वती रामेश्वर मार्ग, आगरा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sansthan Marg, Agra-282 005

होम पैस: १५३३, बैंकोफ़ाल, युवापाली, १२८-ए, पश्च, गुजरात, लैपापुर, अहमदाबाद

Regiona Contac: Delhi, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Bhubaneshwar, Dibrugarh, Ahmedabad

दिनांक: ०५/०५/२०२१

मात्र १५-५-२०२१

संदर्भ:

प्रो. मुख्या रानी
हिन्दी क्विभाग

कुरुक्षेत्र कविता विद्यालय
कुरुक्षेत्र

मो. - 9896206889

विषय: हिन्दी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्गण संबंधी आलेख लेखन हेतु निवेदन।

महोदय/महोदया,

हेंदीय हिन्दी संस्थान द्वारा 'हिन्दी सौ रल माला' शृंखला के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखंडों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाना है। इस शृंखला में सर्वप्रथम निम्नलिखित दस साहित्यकारों पर पुस्तक निर्माण किया जाएगा:-

1. गोरखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कवीर दास, 6. जयशंकर प्रसाद, 7. प्रमचंद, 8. नविलीशरण गुप्त, 9. सूर्यकांत ग्रिपाठी निराला, 10. रामचंद्र शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

1. पुस्तक का शीर्षक : **तुलसीदास**

2. आलेख का विषय/शीर्षक: **भाक्ति ओंकोलन के उन्नति प्रधान कवि**

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण सलग्न है, कृपया इनका अवलोकन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको ₹. 2000.00 (रु. दो हजार नाम्र) प्रति

आलेख मानदंड स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

'हिन्दी सौ रल माला' हिन्दी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर केंद्रित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिन्दी साहित्य के गोरख को बढ़ाने में प्रस्थान विनु सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपस्थिति ने हिन्दी को विरहूत कलक पर पहचान दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह पत्र निदेशक महोदय के अनुसोदन से जारी किया जा रहा है।

राधान्यवाद।

संलग्न यथोक्त

मध्यवर्ष
उमापति ०५-०५-२०२१
(प्रो. उमापति दीक्षित)
संयोजक/संपादक
संचल भाषा - 7355116538
8765002624



केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

(विभागीय संस्थान, राजस्व संचालन)

हिन्दी संस्थान आगरा, अग्रा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sanskruti Marg, Agra-282 005

प्रधान मंत्री : मिस्ट्री, बैरेटाम, गुलाबगढ़, शिल्पी, पर्यटक, गुरु, गुरु-गुरु, लोमापुर, अस्सीगढ़ा

Region : Central Delhi, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Bhubaneswar, Dimapur, Ahmedabad

वार्षिक कार्यक्रम 2021-22

दिनांक ०५/०५/२०२१

संख्या :-

प्री० सुध्या रानी

हिन्दी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,

कुरुक्षेत्र :- ७४९६२०६८८९

विषय : हिन्दी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु निवेदन।

महादेव / महोदया,

केंद्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा 'हिन्दी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के विभिन्न ज्ञानखड़ों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर कांद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाएगा:-

1. गोरखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कर्वीर दास, 6. जयशंकर प्रसाद, 7. ब्रह्मचर, 8. मथुरीशरण गुप्त, 9. सूर्यकांत विपाठी 'निराला', 10. रामदेव शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

1. पुस्तक का शीर्षक : विद्यापति

2. आलेख का विषय / शीर्षक : विद्यापति की जीवन यात्रा स्वरूप साहित्यक क्रम

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण संलग्न है, कृपया इनका अठलाकरन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु. दो हजार नाम्र) प्रति आलेख मानदेय स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

'हिन्दी सौ रत्न माला' हिन्दी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित साँ रचनाकारों पर कांद्रित है। विशेषज्ञों की रालाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिन्दी साहित्य के गौरव को बढ़ाने में प्रस्थान बिंदु सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपस्थिति ने हिन्दी को विस्तृत करला पर पहचान दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह पत्र निदेशक महोदय के अनुग्रह से जारी किया जा रहा है।

सधन्यवाद।

संलग्न यथोक्त

मध्येष्ट

०५/०५/२०२१

(प्रो. उमापति दीक्षित)

संयोजक / संपादक

सचल भाषा :- 7355116538

8765002624



चैंडीय हिंदी संस्थान, आगरा

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
हिंदी संस्थान भवन, आगरा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)
Hindi Sansthan Marg, Agra-282 005

देशीय केन्द्र : दिल्ली, देहरादून, गुवाहाटी, शिल्पांग, गोरुर, पुकनेश्वर, दीपाम्बुर, अम्बेड़काव

Regional Centres : Delhi, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Bhuvaneshwar, Dimapur, Ahmedabad

काल ९-१५ / नवी / २०२१-२२ /

दिनांक ०७/०५/२०२१

से या मे

प्रमो. पुस्तका राजी

हिंदी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

कुरुक्षेत्र

मो.: - ९८९६२०६८८९

विषय : हिंदी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु निवेदन।

महोदय / महोदया,

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 'हिंदी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिंदी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाना है। इस शृंखला में सर्वप्रथम निम्नलिखित दस साहित्यकारों पर पुरत्तक निर्माण किया जाएगा:-

1. गोरखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कर्वीर दास, 6. जयशंकर प्रसाद, 7. प्रेमचंद, 8. मैथिलीशरण गुप्त, 9. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, १०. रामचंद्र शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

1. पुरत्तक का शीर्षक **रामचंद्र शुक्ल**

2. आलेख का विषय / शीर्षक : **कायाकाढ़ी विचारों के उन्नगदूत**

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण संलग्न है, कृपया इनका अवलोकन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु. दो हजार भाव) प्रति आलेख मानदेय रूपरूप प्रदान किया जाएगा।

'हिंदी सौ रत्न माला' हिंदी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर केंद्रित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिंदी साहित्य के गौरव को बढ़ाने में प्रथमांशु सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपरिथिति ने हिंदी को विस्तृत फ़ालक पर पहचान दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

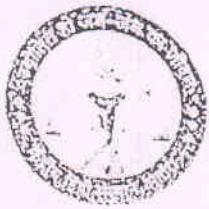
यह पत्र निदेशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

संधन्यवाद।

सलान - पठोवत्त

भवदीय
०८/०५/२०२१
(प्रो. उमापति दाक्षित)

संयोजक / संपादक
संघर्ष भाषा - 7355116538
8765002624



हिंदी संस्थान, अग्रा

(ईमार-राजालय, अग्रा राज्य)

पिंडी संस्थान मार्ग, अग्रा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sanskriti Marg, Agra-282 005

निम्नलिखित विद्युतीय प्रक्रिया के द्वारा आग्रा, पश्चिम बंगाल, गोवा, गुजरात, झीलमुख, अहमदाबाद
Kochi-Kochi Centres, भैरवी, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Dhubri, Ahmedabad

प्राप्ति ०-१५ वर्ष, २०२१-२२

दिनांक 10/05/2021

रुपय

प्री० पुष्पा रानी
हिंदी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र सी० - ९८९६२०६८९

विषय : हिंदी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु नियेदन।

नहादट / नहोदया

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 'हिंदी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिंदी साहित्य के विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतीत्व पर केंद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाएगा है। इस शृंखला में सर्वप्रथम नियमित्यित दस साहित्यकारों पर पुस्तक निर्माण किया जाएगा:-

१. गारखनाथ
२. विद्यापति
३. तुलसीदास
४. सूरदास
५. कथीर दास
६. जयशंकर प्रसाद
७. प्रदीपद
८. मंथिलीशरण गुप्त
९. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
१०. रामचंद्र शुक्ल

नियमित्यित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

१. पुस्तक का शीर्षक : **जयशंकर प्रसाद**

२. आलेख का विषय / शीर्षक : **कैकाल उपन्यास ऐ समाज द्वारा**

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण संलग्न है। कृपया इनका अनुलेखन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु. दो हजार मात्र) प्रति आलेख मानदेय रखरुप प्रदान किया जाएगा।

'हिंदी सौ रत्न माला' हिंदी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर केंद्रित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिंदी साहित्य के गीरव को घढ़ाने में प्रस्थान बिंदु सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपरिथिति ने हिंदी को विस्तृत फैलाव पर पहुंचानी दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह पत्र निदेशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

सधन्यवाद।

संलग्न यथोक्त

भवदीय

(उमापति १०-०२-२०२१)

(प्रो. उमापति दीक्षित)

संयोजक / संपादक

सचल भाषा :- 7355116538

8765002624



बंगलौर की हिंदी संस्थान, अमावस्या

(विभाग विभाग, उत्तर प्रदेश)

केंद्रीय संस्थान अन्ना, आगरा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sanskriti Marg, Agra-282 005

दो दिन के दौरान, दिल्ली, बिहारी, शिल्प, पश्च, मुमुक्षु, दीपाली, अन्ना वार्ष

Regd. Office: Delhi, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Bhubaneswar, Dibrugarh, Ahmedabad

क्रम सं १-१२ नंबर, २०२१-२२

दिनांक 10/05/2021

संघर्ष

प्री० पुष्पा रानी
हिंदी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र - मी० - ९८९६२०६८८९

विषय : हिंदी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु नियेदन।

नहादय / महोदय,

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 'हिंदी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिंदी साहित्य के विभिन्न जालखण्डों से चयनित प्रतिभिधि रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतियों पर कोंद्रित पुस्तकों का निर्माण किया जाना है। इस शृंखला में सर्वप्रथम निम्नलिखित दस साहित्यकारों पर पुस्तक निर्माण किया जाएगा—

1. गोरखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कवीर दास, 6. जयशंकर प्रसाद, 7. प्रेमचंद, 8. मेथिलीशरण गुप्त, 9. सूर्यकात त्रिपाठी निराला, 10. रामचंद्र शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है—

1. पुस्तक का शीर्षक : **कवीरदास**

2. आलेख का विषय / शीर्षक : **कवीर की प्रासांगिकता**

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण संलग्न है। कृपया इनका अवलोकन करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का काट करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु. दो हजार नाम्र) प्रति आलेख मानदंड स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

'हिंदी सौ रत्न माला' हिंदी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर कोंद्रित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिंदी साहित्य के गोरव को बढ़ाने में प्रस्थान बिंदु सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपरिथिति ने हिंदी को विरक्त करके वर पहचान दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह पत्र निदेशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

सधन्यवाद।

संलग्न यथोक्त

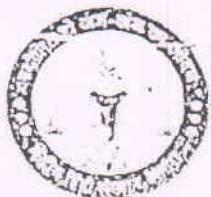
भवदीय

उमापति १०-०५-२०२१
(प्रो. उमापति दीक्षित)

संयोजक / संपादक

संचल भाषा — 7355116538

8765002624



हिंदी रसायन, अग्रणी

(ବେଳୁ ମହିଳା, ଆମ୍ବା ଯରନ୍ଦ୍ର)

WCD effector anal., 200321-202-005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sangathan Marg, Agra-282 005

«*Мистер Бэйч»* (Брайан, Фаррелл, Ричард, Уолт, Томас, Фредрик, Филипп, Николаус)

Federal Centers Duty Discrepancy Assessment Methodology, Version 2.0, www.federalcenterstesting.org

http://1510512021

प्री. पृष्ठा रानी

ପିଲ୍ଲା ମିଶନ୍

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मो.: 9896206889

दिव्यरता : हिन्दी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्गाण संबंधी आलेख लेखन हंतु नियेदन।

Digitized by srujanika@gmail.com

जल्दी हिंदौ संस्थान द्वारा 'हिंदी री रत्न माला' श्रृंखला के अंतर्गत हिंदी साहित्य के विभिन्न जालखड़ों से चयनित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यवितत्त्व एवं कृतित्व पर कांदित पुस्तकों का निर्माण किया जाना है। इस श्रृंखला में सर्वप्रथम निम्नलिखित दस साहित्यकारों पर पुस्तक निर्माण किया जाएगा:-

- ¹ गारखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कर्द्यार दास, 6. जयशंकर प्रसाद, 7. दमचंद, 8. मध्येलीश्वरण गप्त, 9. सर्पकात्ति त्रिपाठी निराला, 10. रामचंद्र शुक्ल।

मिस्त्रियों के विभागों सारे आपसे आलंख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

दूसराक दो शीघ्रक । मौथिलीश्वरण वृत्त ।

2 आलेख का विषय / शीर्षक : || 'साकृत' भाष्य में भाष्यात्मक चुगकीध'

अल्लख लेखन हेतु सरथान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण सलम्म है, कृपया इनका अनुलाभान करते हए तदनुसार ही आलख प्रस्तुत करने का काष्ट करें।

अस्तित्व हेतु अपने संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु दो हजार मात्र) प्रति

'हिंदी सौ रत्न माला' हिंदी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में घटनित सौ रचनाकारों पर कागित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिंदी साहित्य के गोरख का बढ़ाने में प्रस्थान विनुसिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपरिथिति ने हिंदी को विस्तृत मूल्य प्रद महान् दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होंगा।

यह पत्र निर्देशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

संधान्यवाद ।

संस्कृत- विद्यालय

भवदीप

371477
-4-PR-202

(प्रो उमापति दीक्षित)

संयोजक / संपादक

सचल भाष :- 7355116538

8765002624



केंद्रीय हिन्दी संस्थान, अग्रा

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

मिशनी रोड़ाना गांव, अग्रा-282 005

CENTRAL INSTITUTE OF HINDI, AGRA

(Ministry of Education, Govt. of India)

Hindi Sanskrit Marg, Agra-282 005

दी प्रथा केन्द्र, निम्नलीला विद्यालय, पुण्यपुरी, भूतपुर, पर्याप्त, पुण्यपुर, अग्रा-282 005

Regional Centres : Delhi, Hyderabad, Gwalior, Gurgaon, Mysore, Bhujabalaji, Gorakhpur, Ahmedabad.

महादय नं. 2021/22

मिशनी 15/05/2021

प्री.० पुष्ट्या रानी
हिन्दी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
कुरुक्षेत्र मो०:- 9896206889

विषय : हिन्दी साहित्य के रचनाकारों पर पुस्तकों के निर्माण संबंधी आलेख लेखन हेतु निवेदन।

महादय महोदय

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा 'हिन्दी सौ रत्न माला' शृंखला के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के विभिन्न लक्खणों संघर्षित प्रतिनिधि रचनाकारों के व्यवितत्त एवं कृतित्व पर कदित पुस्तकों का निर्माण किया जाएगा।

1. गारखनाथ, 2. विद्यापति, 3. तुलसीदास, 4. सूरदास, 5. कवीर दास, 6. जयशक्ति प्रसाद, 7. प्रेमचंद, 8. मैथिलीशरण गुप्त, 9. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, 10. रामचन्द्र शुक्ल।

निम्नलिखित विवरणानुसार आपसे आलेख लेखन हेतु आग्रह किया जाता है-

1. पुस्तक का शीर्षक 'सूरदास'

2. आलेख का विषय / शीर्षक "ब्रज प्रकृति के विभिन्न परिदृश्य"

आलेख लेखन हेतु संस्थान द्वारा निर्धारित मानकों का विवरण सलाह है कृपया इनका अनुसार करते हुए तदनुसार ही आलेख प्रस्तुत करने का कद्द करें।

आलेख लेखन हेतु संस्थान के नियमानुसार आपको रु. 2000.00 (रु दो हजार मात्र) प्रति आलेख मानदंय रखरुप प्रदान किया जाएगा।

'हिन्दी सौ रत्न माला' हिन्दी साहित्य के एक हजार वर्ष के इतिहास में चयनित सौ रचनाकारों पर कदित है। विशेषज्ञों की सलाह पर उन विशिष्ट साहित्यकारों का चयन किया गया है जो हिन्दी साहित्य के गीरत को बढ़ाने में प्रस्थान दिल्ली सिद्ध हुए हैं तथा जिनकी उपस्थिति ने हिन्दी को विस्तृत फैलाये पर हाथापाल दी है। आपका लेखकीय योगदान इस योजना की पूर्णता में सहभागी होगा।

यह यत्र निदेशक महोदय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

सधान्यवाद।

सलाह यथोक्त

महादय

मिशनी १५-०५-२०२१

(प्रो. उमापति दीक्षित)

संयोजक / सपादक

संचल भाषा :- 7355116538

8765002624